सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 333 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 11 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

जब प्यार और नफरत दोनों ही ना हो तो हर चीज साफ और स्पष्ट हो जाती है।
-ओशो

भारत ने आयरलैंड को छह विकेट... 7 | बिहार: मतदाताओं को रिझाने को... 3 | यूपी में भ्रष्टाचार की जड़ें पूरे... 2

अमेरिका के दो बड़े अखबारों का दावा

ठंडी पड़ रही मोदी-ट्रंप की दोस्ती!

» विपक्ष बोला- पिछले कुछ सालों से गिर रही पीएम मोदी की साख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के विदेशी मेहमानों की अंतिम सूची में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम नहीं है। हालांकि अभी तक पूरी सूची का खुलासा नहीं हुआ है। सूत्रों का कहना है कि संभव है कि भारत के प्रधानमंत्री को भी इस समारोह में आमंत्रित किया जाए, लेकिन कुछ अमेरिकी मीडिया में ऐसी खबरें आ रहीं है कि पीएम मोदी का नाम मेहमानों की सूची में नहीं है। इसको लेकर भारत में सियासी बवाल भी मचा है।

विपक्ष का कहना है दुनिया में धीरे-धीरे प्रधान मंत्री मोदी की साख कम हो रही है। अभी हाल में सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट मामले में भारत की रैंकिंग गिर गई है। अमेरिका के दो प्रमुख अखबार 'वाशिंगटन पोस्ट' और 'न्यूर्याक टाइम्स' में इस मुद्दे को लेकर विश्लेषणात्मक टिप्पणियां आई हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण में भारतीय पीएम को नहीं मिला न्यौता

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बनने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह, जो 20 जनवरी, 2025 को आयोजित होने वाला है, दुनिया भर के नेताओं और मीडिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। इस समारोह में शामिल होने के लिए कौन से विदेशी नेता आमंत्रित होंगे, यह एक बड़ा सवाल बन चुका है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कई विदेशी नेताओं को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा चुका है। हालांकि, अभी तक किसी भी आधिकारिक स्रोत से इस बारे में पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी 7 जनवरी को एक बयान जारी करते हुए कहा कि, यदि कुछ नया होता है तो वह मीडिया को किसी भी नई जानकारी से अवगत कराएगा।

20
जनवरी को आयोजित होगा डोनाल्ड ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह

प्रधानमंत्री मोदी ने की थी 2017 में शिरकत

2009 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया, और उन्होंने इसमें भाग लिया। इस दौरान भारतीय-अमेरिकी संबंधों में और भी अधिक मजबूती आई थी। उसके बाद 2017 में ट्रंप के राष्ट्रपति बनने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अमेरिका की यात्रा की थी।

अमेरिकी अखबारों की चर्चा भारत में गर्म

अमेरिका के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह के विदेशी मेहमानों की अंतिम सूची का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है और संभव है कि भारत के प्रधानमंत्री को भी इस समारोह में आमंत्रित किया जाए, लेकिन अमेरिका के दो प्रमुख अखबार "वाशिंगटन पोस्ट" और "न्यूर्याक टाइम्स" में इस मुद्दे को लेकर जो विश्लेषणात्मक टिप्पणियां आई हैं। उनके आलोक में भारतीय प्रधानमंत्री को निमंत्रण की संभावनाएं कम लग रही है। दोनों अखबारों ने यह सवाल उठाया कि क्या इस संबंध की गति में कोई रुकावट आ रही है या अमेरिकी नेतृत्व ने भारतीय प्रधानमंत्री को आमंत्रित करने का निर्णय राजनीतिक कारणों से लिया है।

वाशिंगटन पोस्ट ने भारत की विदेश नीति में आ रही नई दिशा पर भी सवाल उठाए हैं।

व्हाइट हाउस से अब भी आ सकता है मोदी को न्यौता?

अब बात करते हैं 2025 के शपथ ग्रहण समारोह की। लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि भारतीय प्रधानमंत्री को इस समारोह में आमंत्रित किया जाएगा या नहीं। इसके कई कारण हो सकते हैं। सबसे पहला कारण कूटनीतिक प्रोटोकॉल हो सकता है। आमतौर पर, शपथ ग्रहण समारोहों में केवल उन देशों के नेताओं को आमंत्रित किया जाता है, जिनके साथ उस समय अमेरिकी प्रशासन के गहरे कूटनीतिक संबंध होते हैं।

भारत-अमेरीकी सम्बन्धों पर नहीं पड़ेगा फर्क

उधर दावा किया गया है कि अमेरिकी शपथ ग्रहण समारोह में आमतौर पर बहुत अधिक विदेशी नेता नहीं बुलाए जाते हैं। यह आयोजन खासतौर पर अमेरिकी राजनीति और देश की आंतरिक प्रक्रियाओं पर केंद्रित होता है। इसमें विदेश नीति के बड़े चेहरे आमतौर पर शामिल नहीं होते, और इसका उद्देश्य अमेरिका के आंतरिक राजनीति और लोकतंत्र के उत्सव को मनाना होता है।

पीएम मोदी के पीआर में जुटी है केंद्र सरकार : प्रियंका

» कांग्रेस सांसद बोलीं- छात्रवृत्ति के लिए पैसा नहीं, पर प्रचार में धन की कमी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत प्रचार पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाते हुए तीखा प्रहार किया है। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि प्रधान मंत्री के जनसंपर्क (पीआर) पर पर्याप्त धन खर्च किया गया है, जबकि सरकार छात्रवृत्ति प्रदान करने में विफल रही जो कई युवाओं के जीवन को बदल सकती थी।

छात्रवृत्ति बंद होने से लाखों युवाओं का भविष्य अंधेरे में

प्रियंका ने एक्स पर लिखा कि विकास के विजन पर प्रधानमंत्री जी का पीआर हावी है। उन्होंने आगे कहा कि 1963 में शुरू हुई परीक्षा से तमाम बच्चों के भविष्य का रास्ता बना, वे देश की प्रगति के भागीदार बने, उनके लिए अच्छी शिक्षा के द्वार खुले। उन्होंने कहा कि टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले तीन सालों से इस छात्रवृत्ति को रोक दिया गया है, लेकिन प्रधानमंत्री जी के निजी प्रचार के लिए परीक्षा पर चर्चा जारी है। छात्रवृत्ति बंद होने से लाखों युवाओं के उज्जवल भविष्य का रास्ता बंद हो गया, लेकिन प्रधानमंत्री जी का पीआर बंद नहीं हुआ।

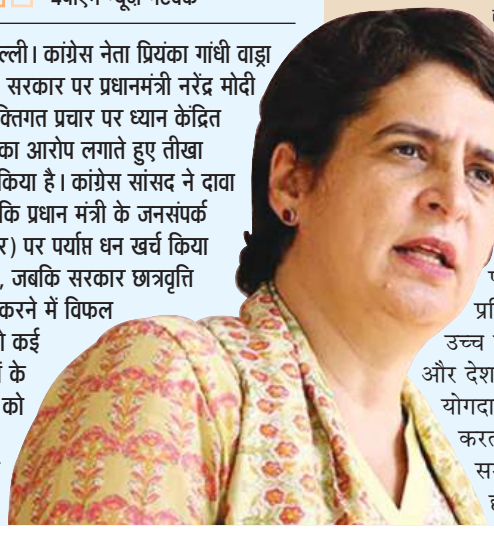

उन्होंने राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (एनटीएसई) छात्रवृत्ति के निलंबन पर चिंता जताई, जो परंपरागत रूप से प्रतिभाशाली छात्रों को उच्च शिक्षा हासिल करने और देश के विकास में योगदान करने में मदद करती थी। एक समाचार रिपोर्ट का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि 1963 में शुरू किए गए छात्रवृत्ति कार्यक्रम ने देश भर में कई बच्चों के लिए अवसर प्रदान किए, लेकिन पिछले तीन वर्षों से इसे रोक दिया गया है, जिससे इच्छुक छात्रों के लिए अवसर खो गए हैं। प्रियंका गांधी ने सरकार पर युवा छात्रों के कल्याण पर प्रधान मंत्री के व्यक्तिगत प्रचार को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया और बताया कि इस अवधि के दौरान प्रधान मंत्री के लिए जनसंपर्क पर 62 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि इसी अवधि के लिए छात्रवृत्ति के लिए मात्र 40 करोड़ रुपये का वित्तपोषण किया जा सकता था।

फ्रॉड कर रहे हैं केंद्रीय मंत्री : संजय सिंह

» बोले- चुनाव आयोग की आंखों में धूल झोंका जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव के लिए वोटर लिस्ट को लेकर आप और बीजेपी के बीच घमासान मचा हुआ है। संजय सिंह ने कई भाजपा नेताओं के एक ही परिसर से बड़ी संख्या में मतदाता आवेदन करने का आरोप लगाया। भाजपा के सांसद और केंद्रीय मंत्री चुनाव आयोग की आंखों में धूल झोंककर फ्रॉड कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि उम्मीदवार प्रवेश वर्मा जिस सांसद बंगले पर कब्ज़ा किए हुए हैं, वहां से 33 वोट बनवाने की एप्लीकेशन दी गयी है। उन्होंने कहा कि 8 महीने से प्रवेश वर्मा सांसद आवास पर कब्ज़ा करके बैठे हैं और उसी पते पर वोट बनवाने की आवेदन दी है।

आरोप निराधार, आप है हताश : सचदेवा

आप के दावों का जवाब देते हुए भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोपों को निराधार करार दिया और इसे आप की हताशा करार दिया। सचदेवा ने कहा कि आज के राजनीतिक बयान में अरविंद केजरीवाल और उनके साथियों द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द उनकी असभ्य सामाजिक परवरिश के साथ-साथ राजनीतिक नैतिकता की कमी को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले सितंबर से आप नेताओं को पता है कि उन्होंने राजनीतिक जमीन खो दी है, लेकिन अब उन्हें ज्ञात हो गया है कि अरविंद केजरीवाल भी हार रहे हैं, जिससे वे परेशान हैं।

यूपी में भ्रष्टाचार की जड़ें पूरे सिस्टम में गहराई तक जमी : अखिलेश यादव

» बोले- बीजेपी सरकार में आम जनता लुट रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर यूपी सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि इस सरकार में आम जनता लुट रही है। थानों और तहसील से लेकर हर स्तर पर भ्रष्टाचार पूरे सिस्टम में गहराई तक जड़ें जमा ली है।

प्रदेश की जनता को बस 2027 के विधानसभा चुनाव का इंतजार है। जनता विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाकर उत्तर प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त करने और समाजवादी सरकार बनाने का पुण्य कार्य करेगी। उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर हैं। इस सरकार की हर योजना में भ्रष्टाचार की एक कहानी छिपी है। हर योजना

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे में चल रहा है योगी सरकार का गोरखधंधा

श्री यादव ने कहा कि जिस बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन प्रधानमंत्री जी ने किया था वह उद्घाटन के बाद ही उखड़ और धंस गया था। अब नया मामला गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे प्रति किलोमीटर के हिसाब से देश का सबसे महंगा लिंक एक्सप्रेस-वे है। इसे 2022 में बनकर तैयार होना था लेकिन अभी तक पूरा नहीं हुआ। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे में सरकार का गोरखधंधा चल रहा है।

में बजट की लूट चल रही है। इस लूट में सरकार के ऊपर से नीचे तक के सभी लोग शामिल हैं। भाजपा सरकार की कमीशन खोरी और लूट के कारण महंगाई बढ़ती जा रही है।

श्री यादव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में अस्पतालों और दवाओं का मामला हो या जल जीवन मिशन में घर-घर जल पहुंचाने की योजना हो। निर्माण कार्य हो या सड़क और एक्सप्रेस-वे योजनाएं हर जगह भारी भ्रष्टाचार है। भाजपा सरकार में हुए भ्रष्टाचार के हर दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। पूरी सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है। श्री यादव ने कहा कि एक्सप्रेस-वे की लागत कई गुना बढ़ चुकी है। राइडिंग क्वालिटी भी मानक के अनुसार नहीं है। यह सरकार जनता के पैसे का बड़े पैमाने पर लूट खसोट में जुटी है। पैसे का बंदरबांट हो रहा है। आम जनता को न कोई सुविधा मिल रही है और न मदद हो रही है। लोग परेशान है।

शिअद से सुखबीर सिंह बादल का इस्तीफा मंजूर

» वर्किंग कमेटी ने लिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की कार्य समिति ने अकाल तख्त के निर्देश के बाद पार्टी अध्यक्ष पद से सुखबीर सिंह बादल का इस्तीफा आधिकारिक तौर पर स्वीकार कर लिया है। बादल ने शुरू में 16 नवंबर, 2024 को अपना इस्तीफा सौंप दिया था, लेकिन पार्टी के आंतरिक विचार-विमर्श के कारण इसे स्वीकार करने में देरी हुई।

अकाल तख्त जत्थेदार द्वारा पार्टी नेताओं से आवश्यक सुधार लागू करने का आग्रह करने के बाद अंतत: इस्तीफे को औपचारिक रूप दिया गया, जिससे कार्य समिति को धार्मिक प्राधिकरण के सामने झुकना पड़ा। शिअद प्रवक्ता दलजीत सिंह चीमा ने कार्यसमिति की बैठक के बाद फैसले की पुष्टि की।

बादल के इस्तीफे की स्वीकृति पार्टी के भीतर आंतरिक बहस के बाद हुई ।

समर्थन के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं और नेतृत्व का आभार : बादल

सुखबीर बादल ने समर्थन के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं और नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। शिअद के प्रतिनिधि सत्र ने मुझे पार्टी का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी। पिछले पांच वर्षों में मैंने पार्टी की सेवा के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद मैंने अपना इस्तीफा कार्यसमिति के समक्ष प्रस्तुत किया। हालाँकि, कुछ कारणों से इसे पहले स्वीकार नहीं किया गया था। मैंने अब नए पार्टी प्रमुख के चुनाव का मार्ग प्रशस्त करने के लिए अपना इस्तीफा फिर से प्रस्तुत किया है।

मिल्कीपुर उपचुनाव नहीं लड़ेगी बसपा दिल्ली विस चुनाव पर करेगी फोकस

» बसपा प्रमुख मायावती ने उपचुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नौ सीटों के लिए हुए उपचुनाव में मिले हार के बाद बहुजन समाज पार्टी मिल्कीपुर विस उपचुनाव में न लड़ने का फैसला किया। इससे पहले पार्टी ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव के प्रत्याशी रामगोपाल कोरी को उपचुनाव लड़वाने का फैसला लिया था, जिन्होंने जमकर प्रचार भी किया था।

नौ सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे सामने आने के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने उपचुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए भविष्य में कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया था। वहीं दूसरी ओर बसपा दिल्ली विधानसभा चुनाव पर ही पूरा फोकस कर रही है। पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद बीती 5 जनवरी को दिल्ली में बड़ी जनसभा को संबोधित कर चुके हैं। वहीं आगामी 12 जनवरी को उनकी दूसरी जनसभा है। दिल्ली चुनाव में बसपा इंडिया गठबंधन के दलों के बीच उठापटक की पोल खोल रही है, ताकि बसपा प्रत्याशियों की जीत की राह को आसान बनाया जा सके।

बसपा के मैदान से बाहर जाने से मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला होने के आसार बढ़ गए हैं। सपा ने सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे

दिल्ली के दलित और ओबीसी मतदाताओं को बताएंगे विपक्ष का छलावा: विश्वनाथ पाल

विश्वनाथ पाल, बसपा अध्यक्ष (यूपी) ने कहा है कि बसपा केवल दिल्ली चुनाव पर फोकस कर रही है।

दिल्ली के दलित और ओबीसी मतदाताओं को बताया जाएगा कि किस तरह कांग्रेस, सपा और आम आदमी पार्टी उनके वोट हासिल करने के लिए छलावे की राजनीति कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी के मंच पर दलितों और ओबीसी नेताओं को जगह नहीं मिलती है। सपा दिल्ली में आप का समर्थन कर रही है, जबकि मिल्कीपुर में कांग्रेस का समर्थन ले रही है। यह उनके भरोसे के साथ विश्वासघात है।

अजित प्रसाद को टिकट दिया है तो भाजपा ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। वहीं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने भी मिल्कीपुर में अपना प्रत्याशी उतारने का निर्णय लिया है, जिससे मुकाबला रोचक हो सकता है। बता दें कि कांग्रेस ने मिल्कीपुर उपचुनाव में सपा प्रत्याशी का समर्थन करने का एलान किया है।

सामाजिक न्याय के एजेंडे को धार देगी कांग्रेस

» 16 से 31 जनवरी तक जनसंपर्क चलेगा अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । कांग्रेस ने पिछड़ों, अति पिछड़ों एवं दलितों के बीच पुख्ता पैठ बनाने की नई रणनीति अपनाई है। वह सामाजिक न्याय के एजेंडे को धार देगी। इसके लिए पार्टी 16 से 31 जनवरी तक जय बापू जय मंडल जय भीम जनसंपर्क अभियान चलाने जा रही है। इस अभियान की जिम्मेदारी ली है कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग, अल्पसंख्यक कांग्रेस और मछुआरा कांग्रेस ने।

कांग्रेस ने सामाजिक न्याय के मुद्दे को हवा देकर लोकसभा चुनाव में बेहतर परिणाम हासिल किया। यही वजह है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, लखनऊ, प्रयागराज के बाद अब पटना में सामाजिक न्याय सम्मेलन करने जा रहे हैं। ऐसे में यह संघर्ष उत्तर प्रदेश में भी जारी रखने की रणनीति अपनाई गई है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि सपा और बसपा का आधार वोटबैंक माने जाने वाले पिछड़े, अति पिछड़े और दलित जातियों के

साथ अल्पसंख्यकों को गोलबंद रखा जाए। तभी कांग्रेस की सियासी नैय्या पार होगी। लोकसभा चुनाव में बाद विभिन्न राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के साथ गलबहियां करने वाले क्षेत्रीय दलों की राहें जुदा- जुदा रही हैं। इंडिया गठबंधन दिल्ली विधानसभा चुनाव में बिखर चुका है। वहां कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की राहें जुदा हैं। सपा ने आम आदमी पार्टी को समर्थन दिया है।

दलित व वंचित जातियों को जोड़ेंगे : मनोज यादव

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव कहते हैं कि प्रदेश में सियासी बदलाव हो रहा है। पार्टी नए सिरे से संगठनात्मक ढांचा तैयार कर रही है। साथ ही जातियों को गोलबंद रखने का प्रयास किया जा रहा है। इसी रणनीति के तहत पिछडा, अल्पसंख्यक और मछुआरा कांग्रेस की ओर से अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान के दौरान किताब गुलामगिरी के हिंदी में प्रकाशन की 140 वीं वर्षगांठ भी मनाई जाएगी। मछुआरा कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र निषाद ने बताया कि कांग्रेस का पूरा फोकस दलित और वंचित जातियां हैं। इन सभी जातियों को इस अभियान के जरिए गोलबंद किया जाएगा।

शरद पवार साहब बहुत बुद्धिमान : फडणवीस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एनसीपी (शपा) प्रमुख शरद पवार द्वारा हाल ही में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ किए जाने के बाद उन पर तंज कसा। सीएम फडणवीस ने कहा कि पवार ने आरएसएस की प्रशंसा की, यह देखने के बाद कि कैसे संगठन 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष द्वारा फैलाए गए फर्जी नैरेटिव पर काबू पाने में कामयाब रहा।

» आरएसएस की प्रशंसा पर सीएम ने कसा तंज

सीएम फडणवीस के अनुसार, विपक्ष ने यह दावा किया था कि भाजपा संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने के लिए 400 सीटें जीतना चाहती है, लेकिन आरएसएस ने इस गलत धारणा को खत्म कर दिया। हालांकि, बाद में भाजपा नेताओं ने इस नैरेटिव के बारे में दावा किया कि इससे पार्टी को कड़ी चोट पहुंची। सीएम ने कहा कि शरद पवार साहब बहुत बुद्धिमान हैं। उन्होंने निश्चित रूप से इस पहलू का अध्ययन किया होगा। उन्होंने महसूस किया कि यह (आरएसएस) एक नियमित राजनीतिक शक्ति नहीं बल्कि एक राष्ट्रवादी शक्ति है।

बिहार : मतदाताओं को रिझाने को सब तैयार

राजद नेता बोले ध्रुवीकरण करना चाहती है बीजेपी

» मुस्लिम वोटरों पर सबकी नजर

» भाजपा ने राजद पर लगाया तुष्टीकरण का अरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में साल के आखिर में चुनाव होने हैं। पर वहां का सियासी मंजर अभी दिखने लगा है। चाहे एनडीए हो या महागठबंधन दोनों गठबंधनों ने अपने-अपने वोटरों के लिए शतरंजी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। जहां एनडीए राजद व कांग्रेस पर तुष्टीकरण करने का आरोप लगा रही है तो वहीं भाजपा पर विपक्षी हिंदु मुस्लिम के नाम पर वोटों के ध्रुवीकरण का आरोप लगा रहे हैं। भाजपा का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और उनके परिवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनता दल ने बिहार में अपनी मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति तेज कर दी है।

जिसका आंशिक कारण अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ है, जिससे किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया जैसे जिलों में महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय बदलाव आया है। जो राष्ट्रीय एकता के बारे में चिंता पैदा करता है। मीडिया में लगातार छप रहीं रिपोर्टों से पता चलता है कि मुस्लिम आबादी में तेज वृद्धि हुई है, जिसका आंशिक कारण अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ है, जिससे किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया जैसे जिलों में महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय बदलाव आया है। यह विकास क्षेत्र की सामाजिक-राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डालता है और राष्ट्रीय एकता के बारे में चिंता पैदा करता है।

मुस्लिमों पर भाजपा विधायक के बयान पर जदयू नाराज

जदयू के गोपालपुर विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल ने कहा कि मुसलमान अधिक बच्चे पैदा करते हैं तो इससे विधायक इंजीनियर शैलेंद्र को क्या समस्या है। हिंदुओं को बच्चे पैदा करने से किसने रोका है।समाज में घृणा और नफरत फैलाने का कोई औचित्य नहीं है। गोपालपुर विधायक ने भाजपा के बिहपुर विधायक इं. शैलेंद्र के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन पर निशाना साधा है। गोपाल मंडल ने कहा कि इं. शैलेंद्र ने मुसलमानों व बैकवर्ड समाज के लिए कुछ नहीं किया है। इं. शैलेंद्र बयान देते हैं कि मुझे मुसलमानों का वोट नहीं चाहिए। कौन मुसलमान उनको वोट देना चाहता है। मुसलमानों के लिए मैंने व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बहुत काम किए हैं। नीतीश कुमार ने हमेशा समाज में सौहार्द बनाए रखने का काम किया है। मुख्यमंत्री बिहार में दंगा-फसाद नहीं चाहते हैं। भाजपा विधायक इं. शैलेंद्र का बयान दंगा-फसाद कराने की राजनीति को शह देने जैसा है। गोपाल मंडल ने इस बात का भी दावा किया कि उन्होंने ही इं. शैलेंद्र को जीत दिलाई है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में प्रचार करके इं. शैलेंद्र को तो मैंने जीत दिलवाई है। वह अपने बूते पर नहीं, बल्कि एनडीए के बूते जीत पाते हैं।विधायक गोपाल मंडल ने कहा कि हिंदू एकजुट हैं और समाज में भाईचारे के साथ रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चाहते हैं कि एनडीए को मुसलमानों का वोट मिले और भारत सुरक्षित भी रहे। दरअसल, विधायक इं. शैलेंद्र ने कुछ दिन पहले बयान दिया था कि मुझे हार मंजूर है, लेकिन मुसलमानों के वोट नहीं चाहिए। इसी बयान पर जदयू के गोपालपुर विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल ने उन पर निशाना साधा है।

सीमांचल क्षेत्र के कई जिलों में मुसलमानों की आबादी 40-70 प्रतिशत

राज्य के सीमांचल क्षेत्र में अब कई जिलों में मुसलमानों की आबादी 40-70प्रतिशत है, जिसमें किशनगंज में सबसे अधिक अनुपात दर्ज किया गया है। इस बदलाव ने कांग्रेस, राजद और एआईएमआईएम को मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों पर भारी भरोसा करते हुए क्षेत्र में प्रभुत्व के लिए प्रेरित किया है। लालू परिवार के प्रतीकात्मक इशारे-जैसे राबड़ी देवी द्वारा अपने आवास पर इस्लामी अनुष्ठानों की मेजबानी करना-मुस्लिम समुदायों के साथ उनके जुड़ाव को और मजबूत करता है। हालाँकि, ये प्रयास अक्सर अन्य समुदायों की कीमत पर होते हैं, जिससे विभाजन को बढ़ावा मिलता है। बिहार की मुस्लिम आबादी ने विभाजन और बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के दौरान विवादास्पद भूमिकाएँ निभाईं। सिंध विधानसभा के एक सदस्य की हालिया टिप्पणियों ने इन दावों की पुष्टि की, जिसमें पाकिस्तान के निर्माण में बिहार मूल के मुसलमानों के योगदान पर प्रकाश डाला गया। राजद और उसके सहयोगियों की तुष्टिकरण की नीतियां नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) जैसे सुधारों का विरोध करने तक फैली हुई हैं, जिसका उद्देश्य उत्पीड़ति अल्पसंख्यकों की रक्षा करना है। विडंबना यह है कि जहां बांग्लादेश में हिंदुओं की दुर्दशा को नजरअंदाज किया जाता है, वहीं मुस्लिम वोटों को साधने की कोशिशें लगातार जारी हैं। राज्य में राष्ट्रीय जनता दल राजद के प्रभाव में बिहार में हिंदू धार्मिक आयोजनों में व्यवधान की रिपोर्ट, जैसे कि सरस्वती पूजा जुलूसों पर हमले, पार्टी के पूर्वाग्रह के बारे में आशंकाओं को और अधिक बढ़ाते हैं। इसके अतिरिक्त, सीमांचल के कुछ स्कूलों में शुक्रवार को छुट्टियां घोषित करने जैसे कदमों से क्षेत्र में बढ़ते सांप्रदायिक असंतुलन पर चिंताएं गहरा गई हैं। बांग्लादेश से तुलना अपरिहार्य है, जहां हिंदू अल्पसंख्यकों को गंभीर उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।

तेजस्वी ने पीके व नीतीश पर साधा निशान

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व जनसुराज के नेता पीके की आलोचना की है। उन्होंने नीतीश कुमार को एक ऐसा नेता बताया जो थका हुआ है और उनका दिमाग ठीक नहीं है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार थक चुके हैं और रिटायर्ड अफसरों के सहारे सरकार चला रहे हैं। कोई भी निर्णय लेने लायक नीतीश कुमार अब नहीं रहे हैं। पूरी तरीके से हाईजैक हो रखे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में पुलिस ने अपराधियों के आगे घुटने टेक दिए हैं। आज भी 156 अपराधों की सूची मैंने जारी की है। तेजस्वी ने साफ तौर पर कहा कि अब नीतीश कुमार जी की साख नहीं रही है। प्रशांत किशोर को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि एक कहानी लिखी गई है जिसमें एक निर्देशक, निर्माता, फाइनेंसर, अभिनेता, वैनिटी वैन है, कौन ये करा रहे हैं किस वजह से करा रहे हैं ये हम जानते हैं। किसी को छात्रों से लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरी तरीके से एक फिल्म दिखाई जा रही है, एक नैरेटिव सेट करने की कोशिश की जा रही है। जिससे हम अवगत हैं। ये भाजपा की बी टीम है।

जन सुराज पार्टी प्रमुख ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से समर्थन मांगा

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर अनशन पर बैठे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से समर्थन मांगा। किशोर ने कहा कि वह इन नेताओं का ''अनुसरण'' करने के लिए तैयार हैं और अगर वे (दोनों नेता) उनकी (किशोर की) मौजूदगी के खिलाफ हैं, तो वह अनशन ''वापस लेने'' को तैयार हैं। किशोर ने कहा, ''मैं लोगों को बता देना चाहता हूं कि यह आंदोलन गैर-राजनीतिक है और मेरी पार्टी के बैनर तले नहीं किया जा रहा है। कल रात युवाओं ने युवा सत्याग्रह समिति (वाईएसएस) नाम से 51 सदस्यीय मंच गठित किया है जो इस आंदोलन को आगे बढ़ाएगा और प्रशांत किशोर इसका सिर्फ एक हिस्सा है।'' उन्होंने कहा, ''समर्थन देने के लिए सभी का स्वागत है, चाहे वह राहुल गांधी हों जिनके पास 100 सांसद हैं या तेजस्वी यादव जिनके पास 70 से ज्यादा विधायक हैं।'' उन्होंने कहा, ''ये नेता हमसे कहीं बड़े हैं। वे गांधी मैदान में पांच लाख लोगों को इकट्ठा कर सकते हैं। ऐसा करने का यही सही समय है। युवाओं का भविष्य दांव पर है। हम एक क्रूर शासन झेल रहे हैं, जो महज तीन साल में 87 बार लाठीचार्ज का आदेश दे चुका है।'' पूर्व चुनाव रणनीतिकार ने कहा, ''नवगठित वाईएसएस के 51 सदस्यों में से 42 ने कल रात इस अंदोलन को जारी रखने का फैसला किया। वाईएसएस के सभी सदस्य अलग-अलग राजनीतिक संगठनों का हिस्सा हैं। लेकिन वे सभी युवाओं और छात्रों के हित के वास्ते आंदोलन के लिए एकजुट हो गए है।'' उन्होंने कहा, ''वाईएसएस पूरी तरह से एक गैर-राजनीतिक मंच है। मैं यहां केवल उनका समर्थन करने के लिए हूं... और यह आमरण अनशन जारी रहेगा। पटना में 29 दिसंबर को राज्य पुलिस का प्रदर्शन कर रहे बीपीएससी अभ्यर्थियों पर पानी की बौछारें करना और लाठीचार्ज करना, लोकतंत्र की हत्या थी।

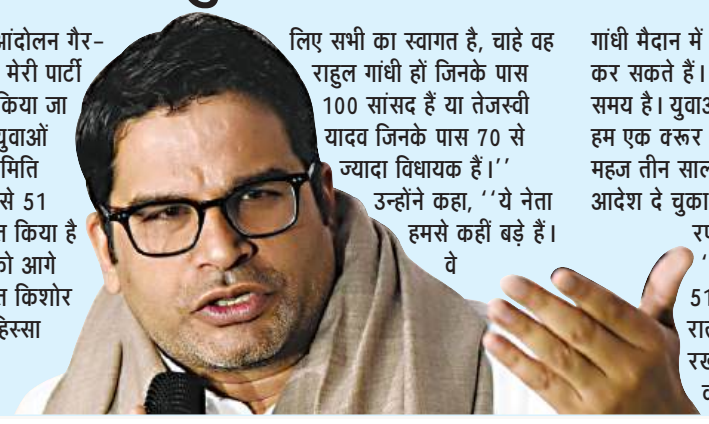

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

केन्द्र सरकार पर राज्य सरकारों के आरोप गंभीर बात

भारत के विभिन्न राज्यों की सरकारें, जिनमें पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और जम्मू और कश्मीर शामिल हैं, केंद्र सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाती रही हैं। इन आरोपों का मुख्य कारण वित्तीय सहायता, विकास योजनाओं का सही तरीके से कार्यान्वयन और राजनीतिक कारणों से राज्य सरकारों को मिलने वाले संसाधनों में असमानता है। राज्य सरकारें मानती हैं कि केंद्र सरकार की नीतियां और योजनाएं उनके राज्यों की विशेष जरूरतों और स्थिति के अनुकूल नहीं होतीं, जिससे विकास कार्यों में रुकावट आती है और राज्य के लोगों को उनका उचित लाभ नहीं मिल पाता। लोकसभा चुनावों के बाद से तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के बीच तीव्र राजनीतिक टकराव देखा गया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर पश्चिम बंगाल के लिए निर्धारित केंद्रीय योजनाओं के तहत फंड्स का सही तरीके से वितरण नहीं करने का आरोप लगाया है। विशेष रूप से, राज्य सरकार द्वारा राज्य के विभिन्न विकासात्मक कार्यों को संचालित करने में बाधाओं का सामना किया गया है।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार बंगाल के हिस्से के 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि रोककर उसे मिलने से मना कर रही है। उनका कहना था कि यह केंद्र सरकार की ओर से जानबूझकर की गई राजनीति थी, ताकि राज्य में उनकी सरकार की छवि को कमजोर किया जा सके। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उनकी सरकार ने भी केंद्र सरकार पर भेदभाव के आरोप लगाए हैं। हिमाचल प्रदेश जैसे छोटे राज्य के लिए केंद्रीय सहायता का महत्व अत्यधिक होता है, क्योंकि राज्य के संसाधन सीमित होते हैं। राज्य सरकार ने केंद्र पर आरोप लगाया है कि केंद्र से राज्य को मिलने वाली योजनाओं की राशि कम कर दी गई है, जिससे राज्य के विकास कार्यों में रुकावट आई है। झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कई बार केंद्र सरकार पर विकास कार्यों में हस्तक्षेप और राज्य के हिस्से की धनराशि रोकने का आरोप लगाया है। 2021 में हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार द्वारा झारखंड को मिलने वाली खनिज रायलटी में कटौती की गई, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कई बार केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि जम्मू और कश्मीर को विकास कार्यों के लिए मिलने वाली धनराशि में भेदभाव किया जा रहा है। जम्मू और कश्मीर के विकास के लिए 80,000 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की गई थी, लेकिन राज्य सरकार के अनुसार, यह राशि पूरी तरह से राज्य के विकास कार्यों के लिए नहीं पहुंची, और केंद्र सरकार ने उन योजनाओं में हस्तक्षेप किया।

“ लोकसभा चुनावों के बाद से तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के बीच तीव्र राजनीतिक टकराव देखा गया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर पश्चिम बंगाल के लिए निर्धारित केंद्रीय योजनाओं के तहत फंड्स का सही तरीके से वितरण नहीं करने का आरोप लगाया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नये वायरस के बीच चीन में जीवन

अनिल आजाद पांडेय

साल 2020 की शुरुआत में फैली कोरोना महामारी ने दुनियाभर के लोगों का सुख-चैन छीन लिया था। बड़ी मुश्किल से लोग इस खतरनाक वायरस के चंगुल से बाहर निकलने में कामयाब रहे हैं। लेकिन अब उनके मन में फिर से भय का माहौल व्याप्त होने लगा है। इस बार भी चर्चा का केंद्र भारत का पड़ोसी देश चीन ही बना है। इसकी वजह एचएमपीवी नामक एक वायरस के प्रसार को बताया जा रहा है। विशेषकर भारतीय मीडिया में चीन की जो खबरें पेश की जा रही हैं, वो बेहद डराने वाली हैं। कहा जा रहा है कि चीन में स्थिति नियंत्रण से बाहर हो चुकी है और अस्पतालों में लोगों को बेड नहीं मिल पा रहे हैं। इस नए वायरस से लगातार लोगों की मौत हो रही है, यहां तक कि शवदाह गृहों में भी जगह नहीं बची है। इस तरह से चीन में हाहाकार मचा हुआ है। भारत में इस तरह के समाचारों को देखने और पढ़ने के बाद आम नागरिक सहम गए हैं। उन्हें अपनी जिंदगी और रोजी-रोटी का डर अभी से सताने लगा है।

क्योंकि कोविड-19 के वायरस की भयावहता को लोगों ने झेला है, ऐसे में डरने की वजह भी है। इस दौरान इस वायरस से संबंधित कुछ मामले भारत में भी सामने आ चुके हैं। मीडिया में चल रहीं इन सनसनीखेज और खौफनाक खबरों की हकीकत क्या है। क्या सच में चीन की धरती पर एक और वायरस फैल रहा है, क्या यह भारत और दुनिया के लिए खतरे की घंटी है। दरअसल, चीन में इन दिनों सर्दी का मौसम है और उत्तर व उत्तर-पूर्वी इलाकों में पारा शून्य से नीचे चल रहा है। ऐसे में इस सीजन में आमतौर पर लोग सर्दी, जुकाम व खांसी आदि से पीड़ित रहते हैं। बच्चों और बुजुर्गों को भी जुकाम, बुखार होना सामान्य बात है। लेकिन इस बार स्थिति थोड़ा-सा अलग है। पिछले कुछ हफ्तों से चीन में एचएमपीवी यानी ह्यूमन मेटान्यूमोनोवायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या में काफी इजाफा देखने में आया है। लोग सिरदर्द, थकान, सांस लेने में दिक्कत और मांसपेशियों में दर्द आदि की शिकायत कर रहे हैं।

विशेषकर छोटे बच्चों में इस इन्फ्लुएंजा का ज्यादा असर दिख रहा है। जाहिर है कि बच्चों का इम्यून सिस्टम उतना मजबूत नहीं होता, ऐसे में वे इस वायरस से जल्दी संक्रमित हो रहे हैं। लेकिन वे पांच-सात दिनों के भीतर स्वस्थ हो जा रहे हैं। कुछ लोग अस्पतालों में जाने के बाद दवा लेकर

ठीक हो गए हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या पहले की तुलना में ज्यादा तो है, लेकिन इमरजेंसी या डराने वाले हालात बिलकुल नहीं हैं। हालांकि कमजोर और संवेदनशील लोगों की स्थिति थोड़ा गंभीर होने की आशंका है। बावजूद इसके घबराने वाली कोई बात नहीं है। कोरोना के उलट यहां स्थानीय लोग कोई बचाव के खास उपाय भी नहीं कर रहे हैं। इस वायरस के प्रसार के बीच चीन का माहौल बेहद सामान्य है। चीन की राजधानी बीजिंग में लोग इस फ्लू से पीड़ित तो हैं लेकिन शहर में कहीं कोई पाबंदी नहीं है। एक जगह से दूसरी जगह जाने या घूमने-फिरने पर कोई बंदिश नहीं है। आमतौर पर लोग कोई विशेष सावधानी या सतर्कता नहीं बरत रहे हैं और रोज ऑफिस व बाजार जा रहे हैं। कर्मचारी लोग भी नियमित रूप से अपने ऑफिस जा रहे हैं। हां, इक्का-दुक्का लोग मास्क जरूर पहने हुए रहते हैं जो अक्सर यहां लोग करते हैं। उधर बाजारों और मॉलों में लोगों की भारी भीड़ है, वे सामान्य रूप से शॉपिंग करते हुए नजर आ रहे हैं। जबकि पार्कों में लोग मार्निंग या इवनिंग वॉक के अलावा व्यायाम कर रहे हैं। जिम और योगा सेंटर पूरी क्षमता के साथ संचालित हो रहे हैं। अभी हाल में ही क्रिसमस और नए साल के दौरान चीन के विभिन्न शहरों में संगीत कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। 31 दिसंबर की रात को तमाम रंगारंग कार्यक्रमों में लोगों की जबरदस्त भीड़ देखी गयी। शायद बाहर के देशों में लोगों को लग रहा है कि चीन शायद कुछ छिपा रहा है। लेकिन यह भी हकीकत है कि अगर कोई नया या खतरनाक वायरस फैल रहा होता तो यहां लोगों की गतिविधियों से उसका आभास हो जाता।

उसके प्रसार को रोकने के लिए सरकार की ओर से कुछ तो कदम उठाए जाते। लेकिन चीन में अभी तक ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। बीजिंग के अलावा वाणिज्यिक राजधानी शंघाई और अन्य बड़े शहरों में भी रेल, हवाई और सड़क यातायात निर्धारित रूप से चल रहा है। लोगों की कोई जांच या हेल्थ कोड स्कैन नहीं किये जा रहे हैं। इससे साफ हो जाता है कि यह एक सामान्य प्रकार का वायरस है, जो इन दिनों फैल रहा है। जिससे संक्रमित लोग आसानी से ठीक हो जा रहे हैं। वहीं चीन सरकार ने स्वीकार किया है कि देश में एचएमपीवी का प्रसार हो रहा है। उसके मुताबिक एच1एन1 प्रकार के इन्फ्लुएंजा ए के मामलों में हाल के दिनों इजाफा हुआ है। यह फ्लू इन दिनों अपने पीक पर पहुंच चुका है।

कनाडा की राजनीति में नई उम्मीद अनिता आनंद

अरुण नैथानी

यूं तो भारतीय मूल की प्रतिभाएं पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं, लेकिन अमेरिका व कनाडा में उनकी तूती बोलती है। हाल के कनाडा के घटनाक्रम में भारत के मुखर विरोधी रहे जस्टिन ट्रूडो को लगातार प्रतिकूल होती परिस्थितियों में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा, तो एक भारतीय मूल की प्रतिभा की उनके विकल्प के तौर पर चर्चा हुई। दरअसल, जिन तत्वों की मदद के लिये ट्रूडो भारत विरोध की सीमाएं लांघ रहे थे, उन्हीं ने उनकी सत्ता की कुर्सी हिला दी। अब कनाडा की राजनीति में उनके उत्तराधिकारी की तलाश शुरू हो गई है। संयोग देखिए कि जिस भारत के खिलाफ वे लगातार जहर उगलते रहे हैं, उसकी एक बेटी के ही उनका विकल्प बनने के कयास लगाये जा रहे हैं। यूं तो उनके भावी उत्तराधिकारी के रूप में क्रिस्टिया फ्रीलैंड, मार्क कार्नी व क्रिस्टी क्लार्क के नाम की चर्चा है, लेकिन जस्टिन ट्रूडो का उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में शामिल अनिता आनंद सबसे आगे बतायी जा रही हैं।

हालांकि, हालिया सर्वेक्षण कनाडा में ट्रूडो की पार्टी की खस्ता हालत की ओर इशारा कर रहे हैं। यूं तो लिबरल पार्टी में रूढ़िवादियों का वर्चस्व है और वे कनाडा मूल की क्रिस्टिया फ्रीलैंड, मार्क कार्नी व क्रिस्टी क्लार्क की वकालत कर रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद अनिता आनंद इस मुकाबले की रिंग में जोरदार चुनौती देने वाली हैं। दरअसल, अनिता आनंद ने अपनी प्रतिभा व योग्यता से कनाडा की राजनीति में अपना मुकाम हासिल किया है। वे वर्ष 2019 में सांसद चुनी गईं तो खरीद मंत्री के रूप में उनकी भूमिका की खूब सराहना हुई। इस बीच पूरी दुनिया को हलकान करने वाला कोरोना संकट आया तो कनाडा भी उससे अछूता नहीं रहा। उस दौरान वैक्सीन, पीपीई किट व अन्य जीवन रक्षा उपकरणों में उनकी खरीद के प्रयासों की खूब सराहना हुई थी। इसके बाद जब वह रक्षा मंत्री बनीं तो रूसी आक्रमण से जूझ रहे यूक्रेन की मदद के लिये वह जीवटता से खड़ी नजर आईं।

उन्होंने उसके हितों की पूर्ति के लिये यथासंभव प्रयास किए। कालांतर में जब वह रक्षा मंत्री बनीं तो महिला सैनिक व सैन्य अधिकारियों की अस्मिता की रक्षा के पक्ष में डटकर खड़ी रहीं। उन्होंने सेना के भीतर यौन दुर्व्यवहार के आरोपों की समीक्षा के लिये सरकार का नेतृत्व किया था। दरअसल, उनके हाई प्रोफाइल पोर्टफोलियो व बढ़ती लोकप्रियता से जस्टिन ट्रूडो भी आशंकित हो गए और अनिता के पर कुतरने के प्रयास किए गए। उनकी महत्वाकांक्षा के चलते वर्ष 2023 के कैबिनेट फेरबदल में उन्हें ट्रेजरी बोर्ड की अध्यक्ष बनाया गया। कहा गया कि उनके बढ़ते कद से भयभीत पार्टी नेतृत्व ने उनकी पदावनति की है। बहरहाल, प्रधानमंत्री की रेस में दमदख से पद का दावा कर रहीं अनिता को दमदार नेता के रूप में देखा जाता है। वह अपने प्रोफाइल में यह लिखने से संकोच नहीं करती हैं कि वह कनाडा की पहली हिंदू सांसद और हिंदू मंत्री रही हैं। बहरहाल, महज वर्ष 2019 में राजनीति में उतरने वाली अनिता ने कनाडा की राजनीति में अपनी प्रतिष्ठित जगह बना ली है। यही वजह है कि उन्हें आम चुनाव से पहले इस्तीफा देने वाले जस्टिन ट्रूडो के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

उन्हें उप प्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड, विदेशमंत्री मेलनी जोली की टक्कर की नेता माना जा रहा है। परिवहन मंत्री के रूप में सार्थक भूमिका निभाने वाली अनिता आनंद एक प्रतिभावान व उच्च शिक्षित राजनेता हैं। उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी तथा क्वींस यूनिवर्सिटी से स्नातक स्तरीय शिक्षा हासिल की। पहले डलहौजी विश्वविद्यालय से कानून की स्नातक और कालांतर में उन्होंने टोरंटो यूनिवर्सिटी से कानून में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें टोरंटो विश्वविद्यालय में अध्यापन का अवसर मिला। साथ ही उन्होंने वेस्टन यूनिवर्सिटी, क्वींस यूनिवर्सिटी तथा विश्व प्रसिद्ध येल विश्वविद्यालय में अध्यापन किया। बताते हैं कि अनिता आनंद का परिवार साठ के दशक में नाइजीरिया से आकर कनाडा के नोवा स्कोशिया के केंटविल में आकर रहने लगा था। उनका लालन-पालन एक उच्च शिक्षित परिवार में हुआ, जिसने उन्हें उच्च शिक्षा हासिल करने को प्रेरित किया। संयोग से अनिता के माता और पिता दोनों ही पेशे से चिकित्सक रहे हैं। उनके परिवार में दो बहनें भी हैं। बहरहाल, लिबरल पार्टी में उन्हें एक महत्वाकांक्षी राजनेता के रूप में देखा जाता है और इसी वजह से ट्रूडो समेत कई रुढ़िवादी नेता उनका कद कम करने की कोशिशों में लगे रहते हैं।

दरअसल, अनिता की राजनीति में दस्तक काफी देर से हुई। जब वह पहली बार ओकविल सीट से 2019 में सांसद चुनी गईं तो उनकी उम्र 57 साल थी। लेकिन अब चाहे सार्वजनिक सेवाओं व खरीद मामलों की मंत्री रही हों, रक्षा मंत्री रही हों या फिर परिवहन मंत्री, उन्होंने अपने शानदार काम से विशिष्ट पहचान बनायी। कोविड-19 के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में उनके योगदान को अकसर याद किया जाता है। लेकिन जब उनका कद छोटा करके ट्रेजरी बोर्ड को संभालने का दायित्व सौंपा गया तो वहां भी उन्होंने अपनी विशिष्ट कार्यशैली की छाप छोड़ी। तब यह कहा गया कि पार्टी नेतृत्व ने उनकी महत्वाकांक्षाओं का दमन किया है। यही वजह है कि बीते साल दिसंबर में जब ट्रूडो ने अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल किया तो फिर उनका विभाग बदला गया। उन्हें कम महत्वपूर्ण परिवहन व आंतरिक व्यापार मंत्री का दायित्व दिया। लेकिन एक हकीकत है कि प्रतिभाएं कहां ऐसी कोशिशों से दबती हैं। उनकी प्रतिभा की महक उनके भविष्य का निर्धारण स्वयं ही कर देती है।

नई फसल से जुड़ा है लोहड़ी पर्व

भारत एक ऐसा देश है, जहां हम हर धर्म और समुदाय के विभिन्न त्योहार मनाते हैं। चाहे होली, दिवाली हो या फिर ईद का पर्व हो, हर त्यौहार को लोग मिलजुल कर सेलिब्रेट करते हैं। अब जब कुछ ही दिनों में लोहड़ी का त्यौहार आने वाला है तो उसकी धूम भी बाजारों में दिखाई देने लगी है। दरअसल, लोहड़ी का त्यौहार वैसे तो मुख्य रूप से पंजाब में मनाया जाता है, लेकिन अन्य राज्यों में भी इसकी धूम दिखाई देती है। पारंपरिक तौर पर लोहड़ी का पर्व नई फसल की बुआई और पुरानी फसल की कटाई से जुड़ा हुआ है। लोहड़ी के दिन लोग पारंपरिक तरीके से तैयार होते हैं। जिस तरह से बिना खाने के हर त्यौहार अधूरा होता है, ठीक उसी तरह से इस त्यौहार में खाने का भी काफी महत्व होता है। अगर आप भी इस लोहड़ी के त्यौहार पर अपने घर मेहमानों को बुला रहीं हैं, तो उनके लिए पहले से ही कुछ पारंपरिक डिश तैयार कर सकती हैं। दरअसल, कुछ खाने के सामान ऐसे हैं, जिनके बिना लोहड़ी का त्यौहार अधूरा सा लगेगा।

बहन और बेटियों को बुलाया जाता है घर

पंजाबियों के लिए लोहड़ी उत्सव खास महत्व रखता है। जिस घर में नई शादी हुई हो या बच्चे का जन्म हुआ हो, उन्हें विशेष तौर पर लोहड़ी की बधाई दी जाती है। घर में नव वधू या बच्चे की पहली लोहड़ी का काफी महत्व होता है। इस दिन विवाहित बहन और बेटियों को घर बुलाया जाता है। उनके लिए खाने में कई तरह के ब्यंजन बनाये जाते हैइस में त्योहार बहन और बेटियों की रक्षा और सम्मान के लिए मनाया जाता है। वक्त के साथ एक सबसे खूबसूरत चीज देखने को मिली है कि परिवार वाले अब पहली लड़की के जन्म पर भी काफी धूमधाम से लोहड़ी का त्यौहार मनाते हैं।

पतंगबाजी

लोहड़ी का त्योहार केवल एक सांस्कृतिक उत्सव ही नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, मेहनत और सामूहिकता का प्रतीक है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि मेहनत, एकता और आस्था के साथ जीवन को खुशहाल बनाया जा सकता है।

लोहड़ी के दिन पतंगबाजी का भी विशेष महत्व है। युवा और बच्चे इस दिन आसमान में रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर अपनी खुशी मनाते हैं। पतंग उड़ाना इस पर्व की खुशी और उमंग को दोगुना कर देता है।

शुभ तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार, लोहड़ी का त्योहार मकर संक्रांति के एक दिन पहले मनाया जाता है। मकर संक्रांति को सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का संकेत माना जाता है, जो नई फसल के आगमन और दिन के उजाले के बढ़ने का प्रतीक है। साल 2025 में, लोहड़ी 13 जनवरी को मनाई जाएगी, जबकि मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाएगी।

लोहड़ी का महत्व

इस दिन देवताओं को शुक्रिया के तौर पर रबी की फसल के रूप में आग में रेवड़ी, तिल, मूंगफली, गुड़ आदि अर्पित करते हैं। इसके साथ ही अग्नि देव से प्रार्थना करते हैं कि उनकी फसल हमेशा अच्छी उत्पन्न हो। पंजाबी लोक कथाओं के अनुसार लोहड़ी पर जलाए गए अलाव की लपटें लोगों के संदेश और प्रार्थनाओं को सूर्य देवता तक ले जाती हैं ताकि ग्रह पर गर्मी आए ताकि फसलों को बढ़ने में मदद मिल सके। बदले में सूर्य देव भूमि को आशीर्वाद देते हैं और ठंड के मौसम को समाप्त करते हैं। लोहड़ी के अगले दिन को मकर संक्रांति के रूप में मनाया जाता है।

हंसना मना है

बच्चा दादी के पास आया और बोला- दादी मां आप टें.. बोल कर दिखाओ, दादी- टें, बच्चा- फिर से बोलो टे, कितना बढिया बोलती हैं, आप मम्मी को क्यों नहीं सुना देतीं? दादी- क्या मतलब तेरी मम्मी को क्यों सुनाऊं? वह अपनीं सहेलियों से कह रही थीं, इसकी दादी पता नहीं कब टें बोलेंगी।

संता- इतनी देर से तुम क्या सोच रहे हो? बंता- जानते हो कल रात की आंधी में एक टी शर्ट मेरे घर आकर गिर गई। संता- तो इसमें क्या हुआ? बंता- सोच रहा हूं कि मैचिंग पैंट ले लूं या फिर एक और आंधी का इंतजार करूं।

पत्नी- जरा किचन से नमक लेते आना, पति- यहां तो कहीं नमक नहीं है,पत्नी- तुम तो हो ही कामचोर, एक काम ढंग से नहीं कर सकते, बस बहाने बनाते रहते हो... जिंदगी में कुछ तो काम करो। मुझे पता था कि तुम्हें नहीं मिलेगा, इसलिए पहले ही ले आई थी। अब कोई बताए इसमें पति की कहां गलती है।

संता- तेरे घर से हमेशा हंसने की आवाज आती है, इतनी खुशी का राज क्या है? बंता- मेरी बीवी मुझे जूते मारती है, लग जाए तो वो हंसती है और नहीं लगे तो मैं हंसता हूं।

कहानी | भूतिया सड़क

सालों पहले मनकपुर गांव के लोगों को व्यापार करने के लिए अक्सर शहर जाना पड़ता था। मनकपुर को शहर से जोड़ने वाली सिर्फ एक ही सड़क थी, जिसके दोनों ओर खूब घना जंगल था। घने जगल से शहर जाते वक्त गांव वालों को डर भी काफी लगता था, इसलिए कोई भी अकेले शहर की ओर नहीं जाता था। हर किसी को उस डरावनी रोड में होने वाली दुर्घटनाओं से डर लगता था। चाहे दिन का समय हो या रात, वहां बैलगाड़ी से माल ले जा रहे व्यापारी दुर्घटना की चपेट में आ जाते थे। लोगों को रात के समय वहां भूत भी दिखते थे। मालगाड़ियों की अक्सर टक्कर छोटे वाहन से हो जाती थी और दोनों ही मौके पर खत्म हो जाते थे। इन सबके पीछे की वजह गांव वाले भूत को ही मानते थे। बढ़ती दुर्घनाओं के कारण गांव से शहर को जोड़ने वाली सड़क से लोगों ने आना-जाना कम कर दिया, जिसका सीधा असर व्यापार पर पड़ने लगा। अब गांव वालों को दूसरी सड़क बनने का इंतजार था, जो शहर को मनकपुर से जोड़ दे। गांव से कूछ दूरी पर नई सड़क का काम शुरू हो चुका था और देखते-ही-देखते कुछ महीनों में दूसरी सड़क बनकर तैयार हो गई। खुशी के मारे गांव वालों ने उस भूतिया सड़क को बंद करने का फैसला लिया। उस रास्ते पर लोगों ने मिलकर पत्थर व पेड़ गिराकर रास्ता बंद कर दिया और सावधानी के लिए दुर्घटना व भूतों से जुड़ी एक सूचना पट्टी भी लगा दी। अब लोगों ने नई सड़क से आना-जाना शुरू किया। अब वहां किसी तरह की दुर्घटना की आशंका नहीं थी। उधर भूतिया सड़क बंद करने से गांव के लोगों की मौत का सिलसिला थमा और वहां खुशहाली आ गई।

कहानी से सीख : दुख-दर्द और गम हमेशा के लिए नहीं होते हैं। गम के बादल के बाद खुशी का सूरज जरूर खिलता है।

7 अंतर खोजें

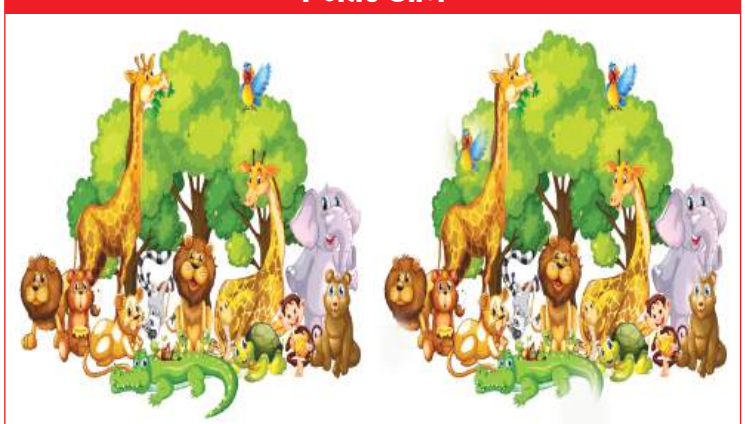

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज अपनी घरेलू कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। खासकर महिलाएं विशेष सावधानी रखें। किचन में अचानक चोट लग सकती है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृषभ

आपको आज का दिन कारोबार हेतु लाभदायक बना रहेगा। नौकरी वर्ग में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घरेलू कार्य समय पर होंगे। सुख-शाति बनी रहेगी।

मिथुन

परिवारजनों के साथ किसी बड़ी भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। व्यापार से बड़ा लाभ होने के योग हैं। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह

नौकरीपेशा वर्ग को मासिक आय में निश्चितता बनी रहेगी। व्यवसाय -व्यापार लाभदायक रहेगा। पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कन्या

नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। धन के निवेश में स्वत: विवेक का प्रयोग करें। व्यापार में धनार्जन होगा। घर-परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन कार्य प्रारंभ होगा।

तुला

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। धनागम होगा।

वृश्चिक

कार्य में उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं।

धनु

अपनी कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेगी। तनाव रहेगा। कुसंगति से हानि होगी। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें।

मकर

आपकी व्यावसायिक यात्रा आज सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे। आप भी अपनी देनदारी समय पर चुका पाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

कुम्भ

नौकरी पेशा के कार्यप्रणाली में आज सुधार होगा। धन लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा।

मीन

आज व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। नौकरीपेशा के आय में अच्छी वृद्धि होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

आलोचना से आहत उर्वशी रौतेला ने केआरके को दिया मुंहतोड़ जवाब

उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डाकू महाराज के गाने 'दबिड़ी दीबिड़ी' को लेकर काफी चर्चा में चल रही हैं। सोशल मीडिया पर गाने के स्टेप्स की काफी आलोचना हो रही है। इसी क्रम में केआरके ने भी गाने के स्टेप्स को काफी वल्गर बताया था। अब उर्वशी रौतेला ने केआरके की ट्रोलिंग का मुंहतोड़ जवाब दिया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

केआरके ने गाने को ट्रोल करते हुए कहा कि उर्वशी को ऐसे अश्लील डांस स्टेप्स करने के लिए शर्म आनी चाहिए। एक्स पर उनके पोस्ट में लिखा था, तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को ऐसे अश्लील गाने शूट करने में शर्म नहीं आती? तो बेहतर है कि एडल्ट फिल्में बनाना शुरू कर दें। उर्वशी को भी ऐसे गाने करने के लिए शर्म आनी चाहिए।

उर्वशी ने केआरके पर निशाना साधते हुए लिखा, यह दुख की बात है कि कुछ लोग जिन्होंने कुछ हासिल नहीं किया, वे उन लोगों की आलोचना करने के हकदार महसूस करते हैं, जो अपने काम को लेकर काफी मेहनत करते हैं। असली शक्ति दूसरों को गिराने में नहीं है, बल्कि उन्हें ऊपर उठाने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में है।

सोशल मीडिया पर लोगों ने इस जोड़ी के बीच उम्र के अंतर को लेकर भी आलोचना की है। 64 साल के अभिनेता-राजनेता एनबीके 30 साल की उर्वशी के साथ यह डांस कर रहे हैं। 'दबिड़ी दीबिड़ी' को शेखर मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है। निर्माताओं ने अभी तक आलोचना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

डाकू महाराज में बॉबी देओल, प्रज्ञा जयसवाल, श्रद्धा श्रीनाथ और चंदिनी चौधरी भी शामिल हैं। बॉबी कोल्ली की लिखित और निर्देशित यह फिल्म 12 जनवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

आनलाइन लीक हुई राम चरण की गेम चेंजर

निर्देशक शंकर की फिल्म गेम चेंजर सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में नजर आए। पहले दिन के पहले शो के बाद से ही फिल्म की प्रशंसकों ने खूब सराहना की। लेकिन फिल्म रिलीज के कुछ ही घंटों बाद अब ऑनलाइन पर लीक हो गई है।

राम चरण इन दिनों फिल्म गेम चेंजर को लेकर लगातार चर्चा बटोर रहे हैं। इस फिल्म में राम पूरे चार सालों बाद बड़े पर्दे पर नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिनेमाघरों में रिलीज होने के कुछ ही घंटों के भीतर, शंकर निर्देशित यह फिल्म पाइरेसी का शिकार हो गई और फिल्म का फुल एचडी संस्करण ऑनलाइन लीक हो गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पायरेटेड संस्करण तमिलरॉकरज, फिल्मीजिला, मूवीरूलेज, टेलीग्राम और बाकी टोरेंट वेबसाइटों पर देखने के लिए उपलब्ध हैं, जो सरासर गैर कानूनी है। फिल्म की रिलीज के कुछ घंटों के अंदर इसका ऑनलाइन लीक हो जाना, फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर गहरा असर डाल सकता है। इसके अलावा, यह ध्यान रखना भी जरूरी है कि फिल्मों के डिजिटल लीक होने से फिल्म बनाने वाले अभिनेताओं और क्रू के हर एक सदस्य की कड़ी मेहनत और प्रयास पर भी असर पड़ता है। हमारे देश में पाइरेसी के खिलाफ नियम बहुत सख्त हैं और पकड़े जाने पर कॉपीराइट एक्ट के तहत अपराधी को सजा दी जा सकती है। इसके अलावा, व्यक्ति को भारी जुर्माना और दंड का सामना भी करना पड़ सकता है और सबसे खराब मामलों में, साजिशकर्ता को कारावास भी हो सकता है। फिल्म की बात करें तो, सोशल मीडिया पर प्रशंसकों से मिली शुरुआती समीक्षाओं के अनुसार, फिल्म निर्माता शंकर ने स्क्रिप्ट के साथ एक आशाजनक प्रदर्शन किया है, यह देखते हुए कि उनकी पिछली रिलीज, इंडियन 2, दर्शकों को प्रभावित करने में विफल रही थी। थमन एस द्वारा रचित गेम चेंजर की संगीत प्रशंसकों को बेहद पसंद आया।

बॉलीवुड | मन की बात

जिगरा को मैंने एक सबक के तौर पर लिया : वेदांग

आलिया भट्ट और वेदांग रैना की फिल्म जिगरा बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर सकी थी। फिल्म के फ्लॉप होने की जिम्मेदारी निर्देशक वसन बाला ने खुद ली थी। हालांकि, आलिया भट्ट के छोटे भाई का किरदार निभा रहे वेदांग रैना इस फिल्म के फ्लॉप होने के बाद बुरी तरह टूट गए थे। उन्होंने फिल्म को लेकर कहा कि ये कुछ ऐसा था, जिस पर मैंने बहुत विश्वास किया था। बॉलीवुड हंगामा के साथ एक इंटरव्यू में वेदांगा रैना ने कहा कि फिल्म जिगरा ने उन पर और उनके करियर पर बहुत असर डाला। उन्होंने पूरी टीम के प्रति अपनी सहानुभूति भी व्यक्त की, उनकी कड़ी मेहनत को मान्यता दी। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की असफलता को उन्होंने एक सीख की तरह लिया। वेदांग ने कहा, जिगरा फिल्म के निर्माण के दौरान उनके पास कोई विशेष करियर योजना नहीं थी। उन्होंने इसे द आर्चीज के बाद एक महत्वपूर्ण अवसर माना और फिल्म के लिए अपना शानदार प्रदर्शन किया था। 11 अक्टूबर 2024 को रिलीज हुई जिगरा वासन बाला द्वारा निर्देशित हिंदी भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म रही। आलिया भट्ट सत्या की भूमिका में हैं, जो गलत तरीके से कैद अपने भाई को बचाने के मिशन पर जाती हैं। मुंबई और सिंगापुर में इस फिल्म की शूटिंग हुई है। आलिया भट्ट इस फिल्म के बाद यशराज फिल्म्स की अल्फा में शरवरी वाघ के साथ नजर आएंगी। वेदांग रैना के जिगरा से पहले जोया अख्तर की द आर्चीज फिल्म में देखा गया था, ये फिल्म साल 2023 में रिलीज हुई थी। वेदांग ने अभी तक अपने आगामी प्रोजेक्ट्स की आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

यहां बिना शराब और डीजे के शादी की तो मिलेंगे 21000 रुपये

पंजाब के बितिंदा जिले के बल्लो गांव ने शादी समारोहों में शराब और डीजे पार्टियों के बिना आयोजन करने पर 21,000 रुपये के इनाम की घोषणा की है। यह कदम गांव के सरपंच अमरजीत कौर ने मंगलवार को उठाया, जिसका उद्देश्य शराब के दुरुपयोग को रोकना और समारोहों में फिजूलखर्ची से बचाव करना है।

अमरजीत कौर ने बताया कि शादी समारोहों में शराब परोसी जाती है और तेज संगीत बजाया जाता है, जिससे अक्सर झगड़े होते हैं। इसके अलावा, यह तेज आवाज़ें विद्यार्थियों की पढ़ाई में भी विघ्न डालती हैं। पंचायत ने इस निर्णय का उद्देश्य लोगों को इस तरह की आदतों से बचाकर शादी समारोहों में सादगी और शांति को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, शादी का उद्देश्य खुशी और प्रेम मनाना है, न कि फिजूलखर्ची करना और विवादों में उलझना। ग्रामप्रधान ने यह भी कहा कि गांव में युवाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक स्टेडियम बनाने की मांग की गई है। पंचायत का मानना है कि इससे युवाओं को स्वस्थ और सकारात्मक दिशा में समय बिताने का मौका मिलेगा। इसके अलावा, पंचायत ने बायोगैस प्लांट लगाने और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए बीज मुफ्त में उपलब्ध कराने की भी योजना बनाई है। यह कदम पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि बायोगैस से गांव की ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सकता है और जैविक खेती से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाई जा सकती है। बल्लो गांव में लगभग 5,000 लोग रहते हैं, और पंचायत ने इन सुधारों से गांव के समग्र विकास की उम्मीद जताई है। ग्रामीणों का मानना है कि यह बदलाव उन्हें सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से आगे बढ़ने में मदद करेगा। सरपंच ने यह भी बताया कि पंचायत ने सरकारी योजनाओं के तहत यह कदम उठाया है, जो ग्रामीणों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए हैं।

अजब-गजब | इस देश के तानाशाह ने लोगों पर लगा रखा है अजीब नियम

यहां देश के मुखिया की फोटो घर में लगाना जरूरी!

दुनिया के कई ऐसे देश हैं, जो बाकी देशों के लिए पहेली बने हैं। इसमें उत्तर कोरिया का नाम सबसे ऊपर आता है। वो इसलिए क्योंकि इस देश में लोगों के ऊपर इतनी पाबंदियां हैं कि यहां जाने वाले भी अफसोस करते हैं कि आखिर वो वहां क्यों चले गए। सोचिए वहां रहने वालों की क्या हलत होती होगी! हाल ही में नॉर्थ कोरिया की एक खबर ने सभी को चौंका दिया था, क्योंकि वहां के तानाशाह ने अब देश में हॉट डॉग की बिक्री या खाने पर भी रोक लगा दी है। पर वहां से जुड़े एक अजीब नियम को लेकर सोशल मीडिया पर इन दिनों चर्चा हो रही है। नॉर्थ कोरिया की एक लड़की ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में वहां से जुड़ी चौंकाने वाली बात बताई।

हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया, जिसमें एक नॉर्थ कोरिया की लड़की से पॉडकास्ट में बातें हो रही हैं। ये वीडियो जो रोगन नाम के एक कंटेंट क्रिएटर और पॉडकास्टर का है। इस वीडियो में जो एक महिला से बात करते नजर आ रहे हैं, जो संभवतया नॉर्थ कोरिया की हैं। महिला अपने देश का हाल बहुत घबराकर बताती दिख रही है।

पॉडकास्ट में वो बताती है कि नॉर्थ कोरिया में हर एक व्यक्ति को अपने घर में किम जोंग उन की फोटो लगाए रखना पड़ता है। उन्हें फोटो को हर पल साफ रखना पड़ता है। कई बार तो जांच करने वाले इंस्पेक्टर रातोंरात जांच करने के लिए घर में घुस जाते हैं। वो फोटो को उंगली लगाकर छूते हैं। अगर जरा सी भी धूल नजर आती है, तो वो रात में ही घर के लोगों को गिरफ्तार कर लेते हैं। वो कहते हैं कि धूल होने का मतलब है कि किम के प्रति लोग वफादार नहीं हैं। इसके बाद या तो उन लोगों को मौत की सजा दी जा सकती है, या फिर परिवार के अगले 3 जेनरेशन को कैंप में भेज दिया जाता है। लड़की ने आगे बताया कि अगर घर में आग भी लग जाए, तो अपनी जान बचाने से पहले किम जोंग उन की तस्वीर को बचाना पड़ता है।

इस वीडियो को 51 लाख व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि ये तो बेहद हैरान करने वाला है, आखिर कौन ऐसे नियमों के बारे में सोच सकता है? कई लोगों ने कमेंट में बताया कि ये लड़की नॉर्थ कोरिया की है, वो वहां से भाग निकली थी, उसके ऊपर काफी जानकारी है। ऐसी हैरान करने वाले वीडियोज देखने के लिए जुड़े रहें।

नहीं रुक रही मप्र कांग्रेस में रार

» अजय सिंह बोले- प्रभारी के ऊपर प्रभारी, नहीं पहुंचे कमलनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के महू में 26 जनवरी को बड़ा कार्यक्रम होने वाला इस कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता पहुंचेंगे। इस दौरान विशाल रैली का आयोजन किया जाना है इसे लेकर एमपी कांग्रेस तैयारियों में जुटी हैं। पीसीसी में दिन भर बैठकों का दौर चला इस बैठक में कमलनाथ को छोड़ कर सभी बड़े नेता मौजूद रहे। इस बैठक में नेताओं ने अपनी-अपनी भड़ास निकाली संगठन में नियुक्तियों को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने अजय सिंह ने सवाल खड़े किए, वहीं विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि बीजेपी मुसलमानों को टारगेट करती है, हम चुप हो जाते हैं। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पार्टी नेताओं को अनुशासन रखने की नसीहत दी है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने कहा कि जिले में प्रभारी के ऊपर प्रभारी आ रहे हैं। एक की नियुक्ति के बाद दूसरे प्रभारी आ गए। अजय सिंह ने एक जिलाध्यक्ष को खड़ा करके पूछा कि बताओ भैया अध्यक्ष जी प्रभारी पर प्रभारी आ रहे या नहीं अजय सिंह की बात पर जीतू पटवारी ने कहा जिले का प्रभारी तो एक ही रहेगा। आपको सिस्टम को ब्रेक करना है तो संविधान में बदलाव करना पड़ेगा। अजय सिंह जवाब देते हुए कहा संविधान में बदलाव हो या न हो। लेकिन जिले में एक प्रभारी हो। ये न हो कि एक आया और फिर दूसरा प्रभारी आ गया। और कहा गया कि वो काम नहीं कर पा रहा था।

जिले में एक प्रभारी हो नियुक्त : अजय

कांग्रेसी नेताओं ने निकाली भड़ास

कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने का साल : पटवारी

बैठक से पहले पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 2025 का साल कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने का साल है। किसान, गरीब, दलित और गांव-गांव में कांग्रेस की पैठ जमाना हमारा लक्ष्य रहेगा। यह तभी संभव होगा जब संगठन मजबूत होगा। पार्टी को मजबूत करना आज की आवश्यकता है। जैसी मेहनत

चुनाव वाले साल में जरूरी होती है, वैसी ही मेहनत हर साल करने की आवश्यकता है। पटवारी ने कहा कि बाबा साहेब का संविधान खतरे में है। बाबासाहेब का अपमान बीजेपी की सोची-समझी साजिश के तहत हो रहा है। कांग्रेस ने देश को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देश की उन्नति में भी हमारे नेताओं ने शहादत दी और इतिहास रचा। अब संविधान बचाने के लिए खून का आखिरी कतरा भी देने को कांग्रेस तैयार है।

भाजपा के लोग मुसलमानों को करते हैं टारगेट : मसूद

विधायक आरिफ मसूद ने कहा है कि मुस्लिम लीग को मुसलमानों ने खत्म किया। जब भाजपा के लोग मुसलमानों को टारगेट करते हैं, तो हमारे लोग चुप हो जाते हैं। देश का माहौल जिस दिशा में ले जाया जा रहा है, उसमें हमें कड़े फैसले लेने की जरूरत है। हिंदू-मुस्लिम का माहौल बनाया जा रहा है। जब भाजपा हिंदुत्व की बात करती है और हम बीजेपी के प्लेटफॉर्म पर खेलने लगते हैं, तो आप खेलिए, लेकिन आप हमेशा हारेंगे।

हमारा संघर्ष विचारधारा का : दिग्विजय सिंह

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि बुनियादी तौर पर हमारा संघर्ष विचारधारा का है। बाबा साहेब ने हमें सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, विचार की अभिव्यक्ति, विश्वास की अभिव्यक्ति, धर्म और उपासना की प्रतिष्ठा और गरिमा बनाये रखने के लिए संविधान का स्वरूप दिया। राजनीति में पांच सूत्र आवश्यक है संपर्क, संवाद, स्वभाव, समावेश और सम्मान। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में अजा-अजजा वर्ग की एक भी भर्तियां नहीं हुई, बैकलांग की भर्ती नहीं हुई। पहले अजा-अजजा वर्ग के लिए बजट अलग से होता था, वह समाप्त कर दिया गया है, उस बजट का पैसा मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के सम्मेलनों में खर्च किया जा रहा है।

राहुल को बड़ी राहत, पुणे कोर्ट से मिली जमानत

» मानहानि मामले में कोर्ट ने सुनाया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। पुणे की एक अदालत ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को उनके खिलाफ दायर मानहानि मामले में जमानत दे दी है। यह मामला गांधी द्वारा की गई उस टिप्पणी से संबंधित है जिसमें कथित तौर पर कुछ व्यक्तियों को बदनाम किया गया था। भाषण में, गांधी ने कथित तौर पर कहा था कि वीडी सावरकर ने एक किताब में एक घटना के बारे में लिखा था जहां उन्होंने और कुछ दोस्तों ने एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी, सावरकर कथित तौर पर इसके बारे में खुश महसूस कर रहे थे।

सात्यकी सावरकर ने इन आरोपों का दृढ़ता से खंडन किया और उन्हें काल्पनिक, झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताया। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी कोई घटना कभी नहीं हुई थी, और वीडी सावरकर ने इस आशय पर कभी कुछ नहीं लिखा था। अपनी शिकायत में सावरकर ने कहा कि गांधी के बयान उनके परपोते की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। शिकायत के बाद पुणे कोर्ट ने पुलिस को मामले की जांच करने का निर्देश दिया। विश्रामबाग पुलिस स्टेशन ने जांच की और निष्कर्ष निकाला कि मानहानि के आरोपों का समर्थन करने वाले प्रथम दृष्टया सबूत थे। इससे पहले रायबरेली से सांसद राहुल गांधी से संबंधित मानहानि मामले की शुक्र वार को सुनवाई होनी थी, लेकिन अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते यह टल गई है। वादी विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि अधिवक्ताओं की हड़ताल के कारण सांसद-विधायक के लिए विशेष अदालत के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 जनवरी की तिथि नियत की है।

फोटो: सुमित कुमार

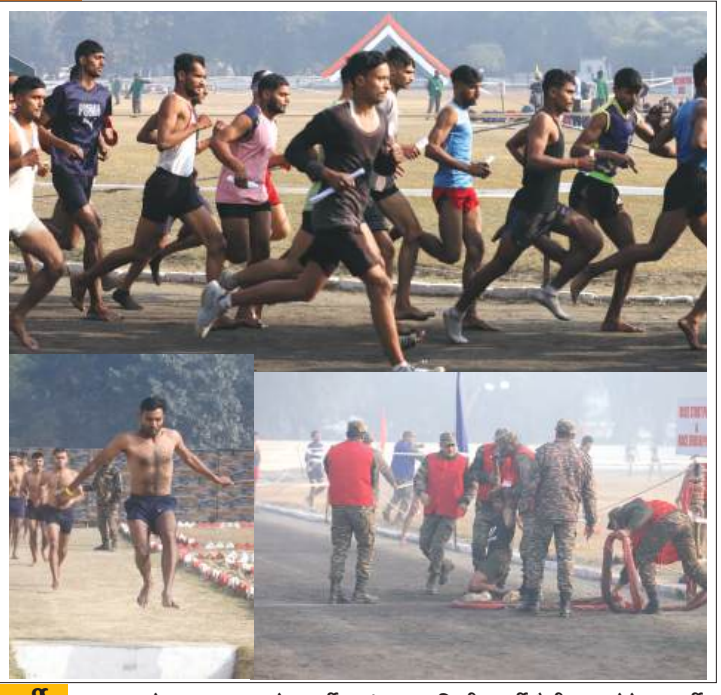

भर्ती लखनऊ के मध्य कमान के आर्मी ग्राउंड पर अग्निवीर भर्ती रैली भाग लेते अभ्यर्थी।

प्रदेश में बारिश और वज्रपात की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में शनिवार से पश्चिमी विक्षोभ और पुरवाई के असर से मौसम का मिजाज बदलेगा और उत्तर प्रदेश में दो दिन पूरब से पश्चिम तक बूंदाबांदी के आसार हैं। मौसम विभाग ने शनिवार व रविवार के लिए यूपी के 38 जिलों में गरज चम के साथ वज्रपात की चेतावनी जारी की है। शुक्रवार को तराई समेत अन्य कई इलाकों में सुबह घना कोहरा छाया रहा।

प्रयागराज, कानपुर, कुशीनगर में कोहरे की वजह से दृश्यता शून्य तक जा पहुंची। इसके बाद फिर से तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा। बांदा, चित्रकूट, हरदोई, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, मथुरा, कासगंज, आगरा, मैनपुरी, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में बज्रपात और भारी बारिश होने की आशंका है।

अमिताभ ठाकुर की गाड़ी को मंत्री के काफिले ने हूटर बजाते हुए मारी टक्कर

» आज आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की डीजीपी से शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर और डॉ नूतन ठाकुर सीतापुर जा रहे थे। सिधौली के पास उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना की गाड़ियों का काफिला लगातार हूटर बजते चल रहा था, इस काफिले के एस्कॉर्ट की गाड़ी ने आगे निकलने के लिए अमिताभ ठाकुर की गाड़ी को पीछे से टक्कर मारा।

इस पर अमिताभ और नूतन ठाकुर ने मंत्री सुरेश खन्ना से पूछा कि जब उनकी सरकार लगातार वीआईपी कल्चर समाप्त होने की बात कहती है तो हूटर क्यों बज रहा है और उनकी गाड़ी पर एस्कॉर्ट की गाड़ी ने पीछे से मारा है। इस पर मंत्री ने अन्य कोई बात ना कह कर यह कहा कि एस्कॉर्ट को हूटर बजाने का अधिकार है, अगर उन्हें कोई शिकायत है तो वह थाने पर करें। अमिताभ ठाकुर ने इन समस्त बातों को डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए समुचित कार्रवाई की मांग की है।

भारत ने आयरलैंड को छह विकेट से हराया

» भारतीय महिला टीम ने सीरीज में 1-0 की ली बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजकोट। भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को पहले वनडे में छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। शुक्रवार को राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेहमान टीम ने 50 ओवर में सात विकेट पर 238 रन बनाए। उनके लिए कप्तान गेबी लेविस ने 92 और ली पॉल ने 59 रन बनाए। जवाब में भारत ने 34.3 ओवर में चार विकेट पर 241 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

प्रतिका और तेजल ने जड़े अर्धशतक

भारत के लिए प्रतिका रावल ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने 89 रनों की दमदार पारी खेली और टीम को जीत दिलाई। इसके अलावा तेजल हसबनिस ने 53 रनों की नाबाद पारी खेलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हरलीन देओल (20) और जेमिमा रोड्रिग्स (09) शुरू में अच्छी फॉर्म में लग रही थीं लेकिन आयरलैंड की बायें हाथ की स्पिनर ऐमी मैगुएरे का शिकार हो गईं। इस तरह भारत ने 46 रन में तीन विकेट गंवा दिये। लेकिन मंधाना की आक्रामक पारी से टीम अच्छी स्थिति में बनी रहीं।

आयरलैंड की 18 साल की मैगुएरे ने आठ ओवर में 57 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए। लेकिन आयरलैंड का कम अनुभव उनके लिए नुकसानदायक रहा क्योंकि टीम ने अतिरिक्त से 21 रन गंवाए।

वनडे में 4,000 रन बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं स्मृति मंधाना

स्मृति मंधाना (41 रन) ने वेस्टइंडीज सीरीज की शानदार फॉर्म जारी रखते हुए तेजी से रन जुटाए। इस दौरान वह वनडे में 4,000 रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय और कुल 15वीं खिलाड़ी बन गईं। भारत की ओर मिताली राज ने 7000 रन बनाए हैं। मंधाना ने आयरलैंड की गेंदबाजों के खिलाफ विकेट के दोनों ओर शॉट लगाए और वेस्टइंडीज सीरीज में पदार्पण करने वाली प्रतिका ने उनका अच्छा साथ निभाया। दोनों ने चार मैच में पारी का आगाज करते हुए तीसरी अर्धशतकीय साझेदारी की। हालांकि, आयरलैंड ने पावरप्ले के अंत में मंधाना को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। मंधाना मिड ऑन पर स्लॉग स्वीप को टाइम नहीं कर सकीं और अपने अर्धशतक से नौ रन से चूक गईं।

उच्च शिक्षा का नटवरलाल विमल जायसवाल

लखनऊ यूनिवर्सिटी के अप्लायड इकोनॉमिक्स डिपॉर्टमेंट में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत बेसिक शिक्षा से लेकर उच्चतर शिक्षा तक फर्जी दस्तावेजों के बल पर नौकरी पाना आसान

प्रोफेसर के पद पर कार्य कर रहे विमल कुमार जायसवाल को प्रदेश सरकार की जांच के बाद लोकायुक्त की भी नोटिस

- विधानसभा में भी उठा था मुद्दा आखिर कैसे पा गये सीधे नौकरी
- यूजीसी मानदंडों के विपरीत सीधे प्रोफेसर के पद पर मिली नौकरी
- पिता सियाराम जायसवाल थे उप्र उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फर्जी दस्तावेजों के बल पर यूपी में प्राइमरी के टीचर से यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर तक का सफर बहुत आसान है। बस मन में प्रबल इच्छा होना चाहिए। सीएम योगी ने अभियान चला कर बेसिक शिक्षा से तो फर्जी शिक्षकों का बोरिया बिस्तर बांध दिया लेकिन क्या उच्च शिक्षा में यह अभियान चल पाएगा और फर्जी शिक्षकों को निकाला जा सकेगा यह कहना मुश्किल है। क्योंकि आये दिन कोई न कोई ऐसा प्रकरण सामने आ रहा है जिसमें उच्च शिक्षा विभाग में फर्जी दस्तावेजों के बल पर नौकरी पाए लोगों की पोल खुल रही है।

ताजा प्रकरण लखनऊ यूनिवर्सिटी का है जहां यूजीसी मानदंडो के विपरीत विमल कुमार जायसवाल को लखनऊ यूनिवर्सिटी के अप्लायड इक्नोमिक्स अर्थशास्त्र विभाग में सीधे प्रोफेसर के पद पर नियुक्त होने का सनसनीखेज खुलासा हुआ है।

नियमों के विपरीत जाकर कार्य नहीं किया जाना चाहिए : यशवीर त्यागी, पूर्व प्रोफेसर

लखनऊ यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर यशवीर त्यागी ने इस मुद्दे पर तो कुछ नहीं कहा लेकिन इतना जरूर कहा कि उनके जमाने में यह सब चीजे असंभव थी। इस तरह की चीजें बंद होना चाहिए तभी शिक्षा में पारदर्शिता आयेगी। उच्च शिक्षा में तो यह नहीं होना चाहिए। नियमों के विपरीत जाकर कार्य नहीं किया जाना चाहिए।

पिता अध्यक्ष तो बेटे को मिली नौकरी!

एक ओर नौकरी की मारामारी है और छोटे पदों पर बड़े–बड़े डिग्रीधारकों के आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। वहीं, प्रोफेसर जैसे पद पर कुछ नियमों और फर्जी दस्तावेजों के बल पर नौकरी पाई जा रही है। ऐसे लोगों की फेहरिस्त लंबी है और धीरे-धीरे पोल खुलनी शुरू हो गयी है। यदि योगी सरकार उच्च शिक्षा में भी अभियान चलाये तो यहां भी अधिकांश शिक्षक फर्जी दस्तावेजों के बल पर बड़े–बड़े पदों पर नौकरी करते मिल जाएंगे। विमल कुमार जायसवाल के पिता सियाराम जायसवाल भी लखनऊ यूनिवर्सिटी में उसी विभाग में विभागाध्यक्ष थे उसके बाद वह उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के अध्यक्ष होने के नाते एव उक्त श्रेणी हेतु निर्धारित वेतनमान तथा संपत्ति के स्वामित्व के कारण नान क्रीमीलेयर की परिधि से परे थे।

यह हो क्या रहा है?

सोचिए अगर पिता विभाग के सर्वोच्चय पद पर आसीन है तो क्या वह अपने पुत्र को सीधे नौकरी पर रखवा सकता है? नियम विरूध नौकरी क्या उन लोगो के अधिकारों का हनन नहीं है जो वर्षो से वहां काम कर रहे हों और पक्की नौकरी की आस रखते हो। बाहरहाल फर्जी दस्तावेजों के बल पर जितने दिन नौकरी कर सकते थे कर ली। अब लोकायुक्त ने उन्हें नोटिस भेजकर दस्तावेजों के साथ बुलाया है। यही नहीं यह प्रकरण यूपी की विधानसभा तक पहुंच चुका है जहां विधायकों ने नियम 51 के तहत सरकार से सवाल पूछा है कि यह हो क्या रहा है। क्या नियमों का सहारा लेकर उसे अपनी परिभाषा में भाषित कर कोई भी उच्च पद पर आसीन हो सकता है।

सरकार ने दिये जांच के आदेश

विमल सियाराम जायसवाल का प्रकरण पूरे उत्तर प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है। सियाराम ?जायसवाल के दो बेटे है। एक बेटे विमल कुमार जायसवाल को लखनउ युनिवर्सिटी के अप्लायड इकोनामिक्स डिपार्टमेंट में प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति मिल गयी जबकि दूसरा बेटा भीमराव अम्बेडकर इंस्टीटयूट में सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिम है कि बेरोजगारों की लंबी लाइन है। बहुत से लोग युनिवर्सिटी और कालेज में सहायक अध्यापक जैसे पदों पर कार्य कर रहे हैं। ऐसे में यदि सीधे पैराशूट नियुक्तियां होगी तो फिर उन लोगों का क्या होगा जो वर्षो तक अपनी सेवाएं इस आस में देते हैं कि भविष्य में उन्हें पक्की नौकरी मिल जाएगी।

प्रोफेसर की नियुक्ति पर वक्तव्य दे सरकार : अभय सिंह

विधायक अभय सिंह ने नियम-51 के तहत विधान सभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा मैं आपका ध्यान जनपद लखनऊ के अतिलोक महत्व के सूचना की तरफ दिलाना चाहता हूं। जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के अप्लायड इकनोमिक्स अर्थशास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त बिमल सियाराम जायसवाल के नॉन क्रीमीलेयर के संबंध में उक्त बिमल सियाराम जायसवाल के द्वारा जमा किये गये अर्हता संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन किस स्तर पर किया गया । जबकि तत्समय उक्त बिमल सियाराम जायसवाल के पिता सियाराम जायसवाल उसी विभाग में प्रोफसेर / विभागाध्यक्ष एवं तत्पश्चात् उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के अध्यक्ष होने के नाते एवं उक्त श्रेणी हेतु निर्धारित वेतनमान तथा संपत्ति के स्वामित्व के कारण नॉन क्रीमीलेयर की परिधि से परे थे। उक्त बिमल सियाराम

जायसवाल के द्वारा सहायक प्रोफेसर के पद के उपरांत 3 वर्ष तक एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्य सेवा दिये बिना, अप्लायड अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विवि में प्रोफेसर के पद पर सीधे नियुक्ति यूजीसी मानदंडों के विपरीत किस आधार पर की गई। बिमल सियाराम जायसवाल को अपनी नियुक्ति के उपरांत तुरन्त विभिन्न प्रशासनिक पदों पर नियुक्त कर अतिरिक्त लाभ किस अधिकारी/ किसके दबाव में किया गया एवं अपनी उत्त अवैध नियुक्ति के उपरांत उक्त बिमल सियाराम जायसवाल किन किन प्रशासनिक / गैर प्रशासनिक पदों पर नियुक्त रहे। उक्त बिमल सियाराम जायसवाल के विरूद्ध पूर्व में लखनऊ विवि/शासन स्तर पर की गई शिकायतों एवं उक्त शिकायतों के संबंध में की गई जांच एवं उक्त जांच की आख्यायें कृपया प्रस्तुत की जाये। अत इस लोक महत्व सूचना पर आपके माध्यम से लखनऊ विश्वविद्यालय के अप्लायड इकनोमिक्स अर्थशास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति में हुयी अनियमित्ताओं का दूर करने हेतु लखनऊ विश्वविद्यालय निरीक्षक, जनपद लखनऊ के प्रकरण में कृत कार्यवाही के सम्बन्ध में सरकार से व्यक्तव्य दिये जाने की मांग करता हूं।

प्रोफसर पर नॉन क्रीमी लेयर संवर्ग में गलत जानकारी देने का भी आरोप

प्रोफसर पर नॉन क्रीमी लेयर संवर्ग में गलत जानकारी देने का आरोप है। शासन की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि प्रोफेसर विमल जायसवाल की साल 2005 में लखनऊ विश्वविद्यालय में कॉमर्स डिपार्टमेंट के अप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति हुई थी। उन्हें पिछड़ा वर्ग की नॉन क्रीमी लेयर संवर्ग कैटेगरी में नियुक्ति दी गई थी। इसके अलावा शासन को भेजी गई शिकायत में कहा गया है कि उनके द्वारा परीक्षा केंद्रो के निर्धारण, शिक्षकों की नियुक्तियों में भी अनियमितता की गई है। साथ ही अंकों में हेर-फेर, शोध विद्यार्थियों का शोषण आदि भी शामिल हैं। इस संदर्भ में जब जानकारी लेने के लिए प्रोफेसर विमल जायसवाल को फोन किया गया तो उनका फोन नेटवर्क क्षेत्र में नहीं था। उनके पिता राधेश्याम जयसवाल लखनऊ विश्वविद्यालय के ही फूड प्रोफेसर रहने के साथ ही अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में योजना आयोग के उपाध्यक्ष के पद पर भी रह चुके थे।

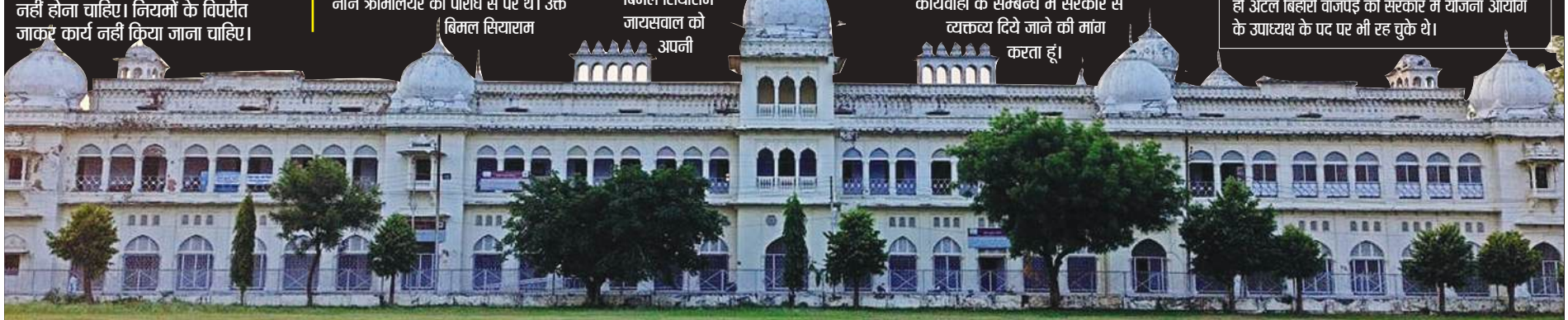

2005 में लखनऊ विश्वविद्यालय में कॉमर्स डिपार्टमेंट के अप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर हुई थी नियुक्ति

03 वर्ष तक एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्य सेवा दिये बिना नियुक्ति यूजीसी मानदंडों के विपरीत

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।